

Living the Lotus

3
2021

VOL. 186

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

यहाँ तक कि प्रतिकूलताएँ बुद्ध से आशीर्वाद हैं

कुछ लोगों को यह कहने की आदत है कि, “ओह! जब भी कुछ होता है।” मैं इसके विपरीत करता हूँ। जब भी मुझे कोई समस्या आती है, मैं स्वयं से कहता हूँ, “अब चीजें दिलचस्प हो गई हैं!” मुझे लगता है कि इन दोनों प्रतिक्रियाओं के बीच का अंतर बहुत महत्वपूर्ण है।

जब आप सोचते हैं, “ओह, इसे रफू करें,” आप समस्या का सामना करने से हटते हैं। यदि, दूसरी ओर, आप अपने आप को यह कहकर अपना मन बनाते हैं, “चलो ऐसा करते हैं!” आप तत्क्षण कुछ करने में सक्षम होंगे। और एक बार जब आप कुछ करने को कूदेंगे तो आपको हमेशा एक रास्ता मिलेगा, यह बदले में, आपको आत्मविश्वास दिलाने में मदद करेगा।

जैसा कि हम रिशशो कोसेइ काइ की स्थापना का वर्षगाँठ मनाते हैं, मुझे लगता है कि जब मैं अपने शिक्षक सुकेनोबु अराई से सीखा हूँ कि बौद्ध धर्म वह मार्ग है जो दुःखों को दूर करता है। मैंने उस देशना को पाने के उत्साह के साथ छलांग लगाया है, जो सभी दुःखों से छुटकारा दिला सकेगा। इसकी कुंजी है अशुभ परिस्थितियाँ - ऐसी परिस्थितियाँ जो आपके प्रतिकूल हैं - बुद्ध से आशीर्वाद के रूप में, और उन्हें शुभ परिस्थितियों के रूप में स्वीकार करना सीखें।

मैंने इस दृष्टिकोण से सब कुछ को देखा है। यदि आप इस तरह से चीजों को नहीं देख सकते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आप वास्तव में स्वयं को विश्वास का व्यक्ति मान सकते हैं। मैं रिशशो कोसेइ काइ के नेताओं के, विशेष रूप से, उनके हृदय में गहराई से उत्कीर्ण करना चाहूँगा।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 26-27

रिशशो कोसेइकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर प्रोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 186 (March 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Kensuke Osada
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rissho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



President's Message

श्रद्धालु मन और विश्वास

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

बुद्ध के दृष्टिकोण से लोगों को देखना

अठारहवीं शताब्दी के कवि मत्सुओका सेइरा (1740-91) की एक कविता में उद्धृत पद:

परिवर्तन के साथ

हँसी

आँसू के साथ मिश्रित।

परिवर्तन संताप एवं हर्ष दोनों पैदा करता है, यह तथ्य एदो काल से आज तक एक निरंतर चला आ रहा है। यह शायद वसंत के आरंभ में विशेष रूप से सच है, जब जापान में कई संगठन और व्यवसाय कर्मि परिवर्तनों से गुजरते हैं।

रिश्शो कोसेइ काइ में भी वर्ष के एक विशेष समय में नियमित रूप से कार्मिकों में परिवर्तन का दौर आता है। हमारे संगठन में यह परिवर्तन एक कार्मिक समिति द्वारा निर्धारित किया जाता है - जैसेकि सरकारी एजेंसियों में देखा जाता है - जो कार्मिक वार्षिक स्टार्फिंग विश्लेषण पूरा करता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि यदि कोई विशेष व्यक्ति, जैसे कि मैं स्वयं, केवल मानव संसाधनों की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं, उनकी व्यक्तिगत पसन्द को ध्यान किया जाता है।

हम सभी में सामान्य मानवप्राणी का मन होता है, जिसका अर्थ है कि हम किसी के पसंद या नापसंद करने के कारण बह से जाते हैं। हम अफवाहों या पूर्वाग्रहों के आधार पर लेबल लगाकर दूसरे लोगों का मूल्यांकन करते हैं। बेशक, हम बुद्ध के दृष्टिकोण से लोगों को नहीं देख रहे हैं। यद्यपि हम सीखते हैं कि "सभी के पास बुद्ध प्रकृति है," जिसका अर्थ है कि सभी जीवित चीजों में, बिना किसी अपवाद के, बुद्ध के समान सार हैं। यदि हमारा विश्वास उस उच्च स्तर तक नहीं पहुँचा है, तो हम सामान्य मानव प्राणी के परिप्रेक्ष्य में फँसे हैं।

इसके अलावा, हमारे पास वही विशेषताएँ हैं, जो हम दूसरों में देखते हैं: हम वही हैं, जो दूसरों के अंदर पर हैं। इससे पहले कि हम लोगों पर पक्षपाती होने का लेबल लगाते हैं, इस पर सोचविचार करना महत्वपूर्ण है। दूसरे शब्दों में, अगर हम किसी को देखते हैं और सोचते हैं, "क्या बुरा व्यक्ति है," इसका मतलब है कि हममें स्वयं एक बुरा लकीर है।

पुण्डरीक सूत्र के परिर्वत 22: अनुपरिन्दना में बुद्ध ने बोधिसत्वों को सभी जीवित प्राणियों के साथ

पुण्डरीक सूत्र को साझा करने के लिए कहा है, जिससे कि वे खुश रह सकें। फिर उन्होंने इसके साथ इस सूत्र को बोधिसत्वों को सौंप दिया। यदि हम लोगों को देख सकते हैं और उन पर भरोसा कर सकते हैं, जैसेकि बुद्ध ने बोधिसत्वों को देखा और भरोसा किया, हमें मानसिक शांति मिलेगी - नहीं केवल जब कर्मियों के कार्यस्थल में परिवर्तन होता है, बल्कि किसी भी परिस्थिति में। वास्तव में, विश्वास और भरोसा के साथ लोगों को देखने में सक्षम होना, जैसेकि बुद्ध ने किया था, अपने आप में महान योग्यता की प्राप्ति है।

शाक्यमुनि का सौंपना और भरोसा, जिस पर रिश्शो कोसेइ काइ की स्थापना हुई

इस तरह के एक युग में जिसमें धोखाधड़ी जैसे बुजुर्गों को लक्षितकर होनेवाली घटनाएँ सार्वजनिक उत्पीड़न का कारण बनती हैं, किसी पर भी भरोसा करना असंभव लग सकता है, क्योंकि "सभी के पास बुद्ध प्रकृति है।" इस अर्थ में, मुझे आशा है कि कम से कम हम स्वयं लोगों से मिथ्या नहीं बोलेंगे या उनके सम्बन्ध बुरा नहीं बोलेंगे, और उनके साथ विश्वास स्थापित करना जारी रखेंगे।

"विश्वास" (信) के लिए चीनी कैरेक्टर "व्यक्ति" (人) और "शब्द" (言) के कैरेक्टर का संयुक्त रूप है। इसलिए, एक व्यक्ति के शब्द, जो उसके मन की अभिव्यक्ति हैं, ईमानदारी होना चाहिए। "शब्द" (言) का अर्थ "जीवन" भी है, जो ब्रह्मांड, देवताओं और बुद्ध दोनों की अभिव्यक्ति के साथ-साथ इस तथ्य को दर्शाता है कि जब हम एक दूसरे पर भरोसा करते हैं, तो हम उन शब्दों का आदान-प्रदान करने में सक्षम होते हैं जो जीवन से भरे होते हैं।

ईमानदारी के साथ बोलना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमें दूसरे लोगों पर भरोसा करने और उनको हम पर भरोसा करने की ओर ले जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह हम सामान्य मानव प्राणी के लिए कितना आसान हो सकता है, जो इतनी आसानी से भरोसा नहीं कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है, जो हमारा ध्यान हम क्या कहते हैं, उस ओर ले जाता है।

विश्वास और भरोसा की बात करनेवाले, हम रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्य हर दिन पुण्डरीक सूत्र का शीर्षक दाइमोकू का जाप करते हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसेकि हम व्रत ले रहे हैं कि हम सभी लोग बुद्ध बनेंगे और खुशियाँ मना सकते हैं, और यह कि हम देवताओं और बुद्धों के कार्यों पर भरोसा हैं। जोडो संप्रदाय के एक प्रमुख पुजारी जीत्सुओ फुजीइ (1898-1992) ने कहा, "मेरा शरीर, जिसे मैंने अमिदा को सौंप दिया है, शान्त और मजबूत है। इसलिए आज फिर, मैं अमिदा के साथ प्रकाश में रहूँगा।" दाइमोकू के अर्थ के सम्बन्ध फुजीइ के शब्दों को आच्छादित करते हुए, मुझे लगता है कि चाहे हम किसी भी समय या परिस्थितियों में हैं, उज्वल जीवन जीने की भावना आगे आती है।

रिश्शो कोसेइ काइ की स्थापना के बाद से, हमारे विश्वास का एक सिद्धांत यह है कि जैसे ही नये सदस्य हमारे साथ जुड़ते हैं, वह विश्वास के प्रचार प्रसार करनेवाला होता है। आखिरकार, विश्वास को साझा करना, जो हमें शाक्यमुनि द्वारा सौंपा गया है - जिनकी इच्छा हर किसी की खुशी के लिए है - और संस्थापक निवानो, जिन्होंने कहा है कि हम सदस्य जो कुछ भी कर सकते हैं, उस पर हमें पूरा भरोसा था। इसलिए, सबसे ऊपर, यह सुनिश्चित करें कि हम मन का एक सकारात्मक ढांचा बनाए रखें और विश्वास को गहरा करें जो हमें देवताओं, बुद्धों और अन्य लोगों से जोड़ता है।

From Kosei, March 2021.

समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्रः प्रत्येक अध्याय का सारांश एवं मुख्य बिन्दुयें

निक्कयो निवानो

सद्धर्मपुण्डरीकसूत्र

अध्याय 24: बोधिसत्व गद्दस्वर

बोधिसत्व गद्दस्वर का सहा लोक में आगवन

इस परिवर्त का प्रारंभ शाक्यमुनि से होता है, जिन्होंने प्रकाशरश्मि - ज्ञान का प्रकाश - विसर्जित किया, जो उसके मस्तक के भौंहों के बीच के सफेद बालों के चक्र से निकली थी। वह प्रकाशरश्मि पूर्व दिशा की ओर दूर तक प्रवेश कर उस क्षेत्र में पहुँची, जिसे विशुद्ध प्रकाशरश्मि प्रतिमण्डित कहा जाता है, जहाँ कमलदलविमलनक्षत्रराज नामक बुद्ध आसीन हैं। उनका शिष्य, बोधिसत्व गद्दस्वर उनको संबोधित करते हुए घोषणा करता है कि वह शाक्यमुनि बुद्ध की पूजार्चना करने के लिए सहा लोक में जाने के इच्छुक है और वहाँ के महान बोधिसत्वों के साथ आलाप करना है।

बुद्ध कमलदलविमलनक्षत्रराज ने अपनी बुद्धिमत्ता पर जोर देते हुए बोधिसत्व गद्दस्वर को चेतावनी दी कि वह सहा लोक को हीन न समझे या उसे हल्के से नहीं ले। उन्होंने कहा कि, उनकी और गद्दस्वर की तुलना में बुद्ध का और उनके सभी बोधिसत्वों का शरीर इतना छोटा हैं कि उन्हें हल्के ढंग से लेने के लिए प्रवृत्त हो सकते हो, और चूँकि यह एक गंभीर गलती होगी, इसलिए गद्दस्वर उनको हल्के से नहीं लेने का ध्यान रखना होगा। उदाहरण के माध्यम से, उन्होंने बताया कि उनकी और गद्दस्वर की विशाल ऊँचाई, गद्दस्वर का देदीप्यमान सोने का शरीर के साथ, लौकिक बुद्ध और बोधिसत्वों को वास्तव में छोटा और महत्वहीन हो सकता है।

गद्दस्वर ! कमलदलविमलनक्षत्रराज की बुद्धिमत्ता का आश्वासन है कि वह सहा लोक को हल्के से नहीं ले, और विभिन्न प्रारंभिक चेतावनियों के बाद, वह दिव्य गृध्रकूटपर्वत पर पहुँच गये, जहाँ वह शत्रुमुनि के सामने साष्टांग लेटकर उनको प्रणाम किया और उनका सम्मान सत्कार किया। तब उसने लोकप्रतिष्ठ से याचना की कि क्या वे तथागत प्रभूतरत्न को देखने की अनुमति देंगे। शाक्यमुनि से इस याचना के तुरंत बाद, तथागत प्रभूतरत्न प्रकट हुआ और शाक्यमुनि को श्रद्धांजलि देने के लिए गद्दस्वर की प्रशंसा किया।

इस पर, बोधिसत्व पुष्पगुणधर ने इस विषम घटना के बारे में शाक्यमुनि से प्रश्न किया। उन्होंने बताया कि अतीत में, गद्दस्वर ने मेघदुन्दुभिस्वरराज नाम के एक बुद्ध को श्रद्धांजलि अर्पित की थी, जिसमें शतसहस्र तरह के वाद्य संगीत थे और सात प्रकार के अमूल्य रत्नों से निर्मित चौरासी सहस्र कलश थे। उन्होंने बताया कि उसने बारह सहस्र वर्षों तक ऐसा किया, और उन अर्पनों के योग से असामान्य पारलौकिक शक्तियों को प्राप्त कर लिया। इसके अलावा, शाक्यमुनि ने बताया कि गद्दस्वर का वर्तमान शरीर किसी भी तरह से उनका एकमात्र सरीर नहीं है - उसने जीवित प्राणियों को शिक्षा देने के लिए अनगिनत स्थानों पर कई रूपों में स्वयं को प्रकट किया है।

सभी गहरे प्रभावित हैं, और गद्दस्वर अपने मिशन को पूरा करने के बाद, अपने सहयोगियों के साथ स्वयं के क्षेत्र में लौट गये, यहाँ अध्याय समाप्त होता है।



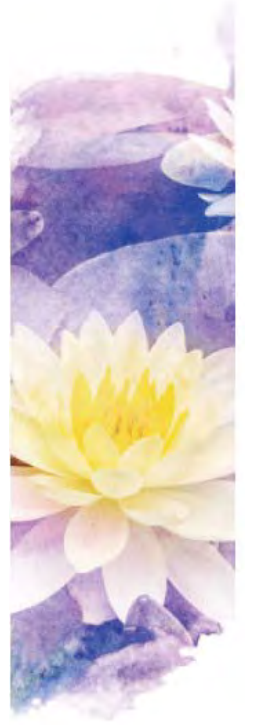
आदर्श को वास्तविक रूप में लाने का प्रयत्न

इस अध्याय में विशुद्ध प्रकाशरश्मि प्रतिमण्डित एक आदर्श लोक का प्रतिनिधित्व करता है। आदर्श, निश्चित रूप से, मन द्वारा निर्मित है, बुद्ध और विशाल अनुपात एवं अद्वितीय सुंदरता के बोधिसत्वों के साथ एक दिग्गम स्थल है। वास्तविक लोक, सहा लोक से शायद ही तुलनीय है, जो दुर्गम लोक है, इस कारण से यहाँ बुद्ध और उनके बोधिसत्वों के शरीर का कद छोटा होता है।

हालाँकि, कमलदलविमलनक्षत्रराज बुद्ध की सलाह के प्रति सावधान, गद्गदस्वर ने सहा लोक में शाक्यमुनि को हार्दिकश्रद्धांजलि दी। इसका अर्थ यह है कि शाक्यमुनि का पृथ्वी पर एक आदर्श विश्व बनाने का प्रयास केवल आदर्श से कहीं अधिक मूल्यवान था। जब तक आदर्श केवल मन में आरोपित है, तब तक यह केवल एक सपना है। इसका मूल्य इसके बोध में आता है; जो आदर्श को वास्तविकता में लाने का प्रयास है। यह इस अध्याय का प्रथम बड़ा पाठ है।

सद्धर्म का लोक के लोगों के बीच संचार करें

इस अध्याय में, शाक्यमुनि बताते हैं कि गद्गदस्वर ने वाद्य संगीत बजाया और अतीत में अमूल्य सात रत्नों से निर्मित चौरासी सहस्र कलशों को अर्पित किया। इन दोनों क्रियाओं का अर्थ है: संगीत बजार लोगों के हृदय को प्रतिध्वनित करना सद्धर्म का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि इतनी बड़ी मात्रा में कलशों का अर्पण संसार के लोगों के लिए बुद्ध की अनगिनत देशनाओं के प्रसारण का प्रतीक है। सद्धर्म का निर्वहन निश्चित रूप से बुद्ध के प्रति सबसे बड़ा अर्पण है। शाक्यमुनि यहाँ यह प्रदर्शित करते हैं कि यह इस परिवर्त का द्वितीय प्रमुख पाठ है।





हम बोधिसत्व चमत्कारिक ध्वनि के घोषणापत्र हैं

हमारे बीच में अनगिनत बोधिसत्व गद्गदस्वर हैं। वास्तव में, हम स्वयं - यदि हम पुण्डरीक सूत्र की देशना के आधार पर धर्म को संचारित करते हैं - बोधिसत्व गद्गदस्वर की अभिव्यक्तियों के अलावा और कुछ नहीं है। अगर हम इसे समझें तो गद्गदस्वर कई रूपों में उपस्थित हैं और हर जगह धर्म को संचारित करने का अर्थ भी स्पष्ट होता है। और ऐसी जागरूकता सच्चे धर्म के प्रसार के लिए एक शक्तिशाली संवेग और प्रेरणा ही नहीं है! यह, इस अध्याय का तृतीय महान पाठ है।

यह उस पाठ का हिंदी अनुवाद है जिसका जापानी मूल होक्के सानबुक्यो: काकु होन नो आरामासी तो योतेन (समेकित त्रिविध पुण्डरीकसूत्रः प्रत्येक परिवर्त का सारांश और मुख्य बिंदुएँ) में संस्थापक निक्क्यो निवानो के नाम प्रकाशित है, (कोसेइ प्रकाशन, 1991 [संशोधित संस्करण, 2016]), पीपी. 204-8.



Director's Column

दूसरों के लिए खुशी लाने की खुशी

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

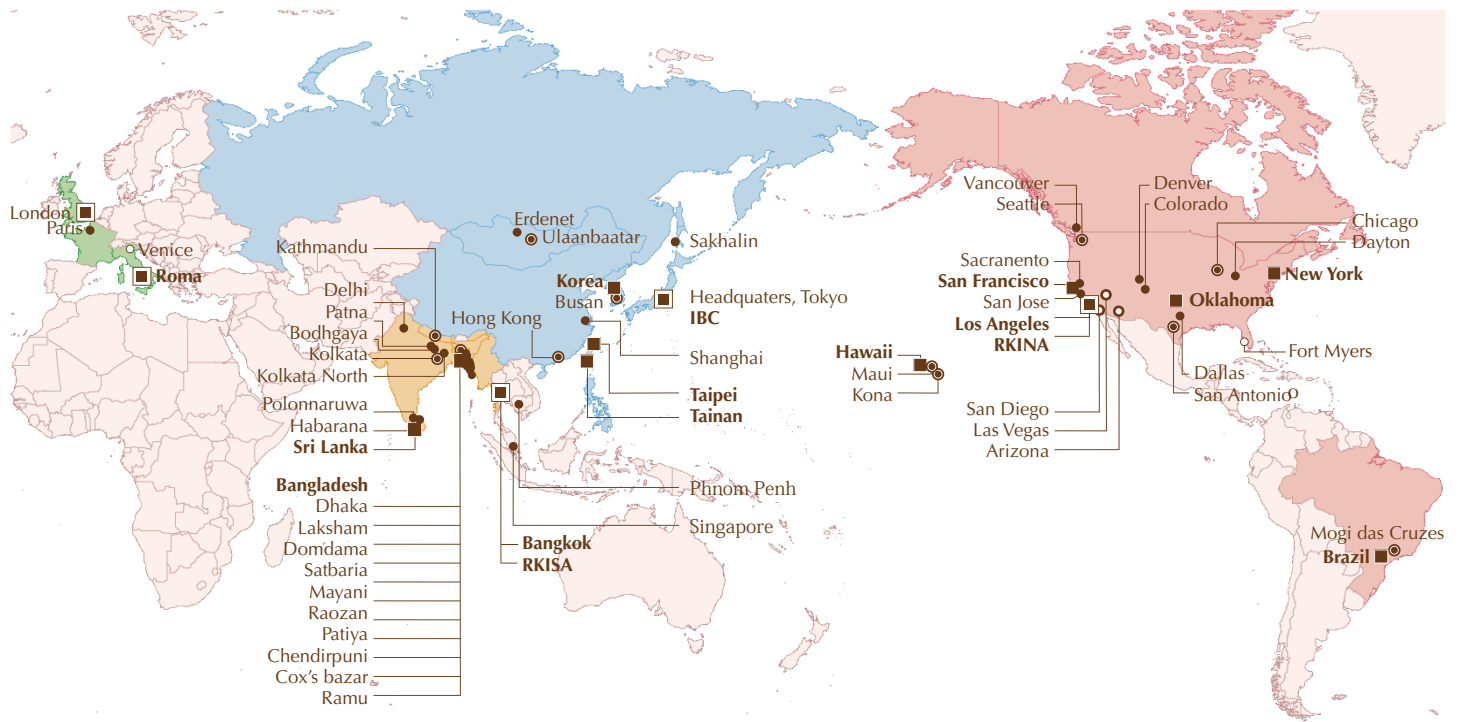
5 मार्च को रिश्शो कोसेइ काइ अपनी स्थापना की तेरासवीं वर्षगाँठ मनायेगा। मुझे याद है कि गत वर्ष मैं कितना निराश था, जब हमें कोविड-19 के प्रसार के कारण वर्षगाँठ के उत्सव को नहीं मनाने का निर्णय करना पड़ा था।

इस वर्ष, हमारे पास वर्षगाँठ के उत्सव को ऑनलाइन आयोजित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं हो सकता है, जब तक कि हम संक्रमणों की संख्या में तेजी से कमी नहीं देखते हैं। मैं आपके साथ प्रार्थना करता हूँ कि वह दिन शीघ्र ही आए, जब हम लोगों के साथ हार्दिक बधाई का आदान-प्रदान कर सकते हैं। तब तक, मुझे आशा है कि हम अपने व्यवहार में "इस स्थान को वास्तव में मार्ग का स्थान" के रूप में प्रतिबिंबित करेंगे और रचनात्मकता को बनाए रखेंगे, जबकि वायरस के प्रसार को रोकने के अपने प्रयासों को भी जारी रखेंगे।

पुण्डरीक सूत्र में, बुद्ध ने हमें अपनी बोधिसत्व की जागरूकता को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। वे दृढ़ता से विश्वास करते हैं और उनकी आस्था है, भले ही हममें अभी भी सामान्य मानव प्राणी का मन है और अभी तक भ्रमजाल से मुक्त नहीं हैं। हममें सामान्य अवस्था से गिरने की और भी अधिक संभावना होती है, विशेषकर इस तरह के कठिन समय में, जब बहुत से लोग बार-बार उठने वाली लहरों से थक जाते हैं - जापान में तीसरा- कोविड-19 संक्रमण है। हालाँकि, मेरा मानना है कि कठिन परिस्थितियाँ हमें अपने मन की आस्था को पोषित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

जैसे-जैसे हम इस महामारी से गुजर रहे हैं, जिससे पूरा संसार पीड़ित है, याद रखें कि बुद्ध हमें देखते रहे हैं और हमेशा आशा करते हैं कि हम अपने आत्म-केंद्रित मन के विषय ध्यान करेंगे, "दूसरों को पहले रखने" के मन की खेती करेंगे, और मेहनती होंगे, अपने दैनिक जीवन में बोधिसत्व चर्या का उद्यमी बनकर अभ्यास करेंगे। बुद्ध की इच्छा को ध्यान में रखते हुए, हम बोधिसत्व मार्ग का अनुसरण करेंगे। बुद्ध निश्चित रूप से हमें एक अमूल्य उपहार के साथ पुरस्कृत करेंगे: दूसरों को खुशी लाने की खुशी।

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org URL: <http://www.rksf.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: kosekaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact RiKISA

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL/FAX: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni,

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/RKUnitedKingdom>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>